लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 73वां साल

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

प्रभात लखनऊ, गुरुवार, 20 सितम्बर 2018

स्वच्छता अभियान में जूट के बैग बांट रहे डॉ.भरतराज सिंह

अभियान

- एसएमएसए, लखनऊ के वैज्ञानिक की सराहनीय पहल
- १० वर्षों से चला रहे पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान

लखनऊ। प्रभात

पर्यावरण सुरक्षा में घातक साबित हो रही पालीथीन के इस्तेमाल को रोकने के लिए डॉण्भरत राज सिंह ने सराहनीय पहल की है। इसके तहत वह राजधानी लखनऊ में लोगों को पालीथीन का उपयोग बंद करने और कपड़ेए जूट और कागज के थैले का इस्तेमाल करने के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। वह घर.घर जाकर लोगों को जूट के बैग बांट रहे हैं और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का पुनीत कार्य रहे हैं। डॉ भरतराज सिंह, स्कूल ऑफ मैंनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक हैं और पिछले 10 वर्षों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान चला रहे हैं। डा. भरत राज सिह ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम से वर्ष 2004 मे प्रबंध.निदेशक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया तथा जूट के बैग के उपयोग को बढावा देना शुरू किया। इसके तहत वह गोमती नगर के विराम खंड.5 में घर-घर जाकर जूट व कपड़े के बैग बांटने लगे। कुछ दिनों में उनके साथ कालोनी के दूसरे बुजुर्ग भी इस अभियान में शामिल हो गये। डा0 भरत सिंह कहते हैं कि लखनऊ की आबादी लगभग 43 लाख है और करीब 25.30 करोड़ बैग का इस्तेमाल प्रतिमाह किया जा रहा है। इससे जमीन, पानी और हवा सब प्रदूषित होती है। इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ी को उठाना पडेगा। आज जब भारत सरकार ने स्वच्छता पखवारा मना रहा है तो डा. सिह ने कपास या जूट बैग के इस्तेमाल जो बायोडिग्रेडेबल, स्वाभाविक तरीके से नष्ट होने वाला है को बढावा दे रहे हैं और विराम.5ए गोमतीनगर के वरिष्ठ नागरिकों को खादी.आश्रम के थैले जिस पर राष्ट्रपिता गांधी का संदेश लिखा हैए 'खादी वस्त्र नहीं, संदेश है' को बांटा। डॉ सिंह का यह मानना है कि लोगों द्वारा यदि इसे अपना लिया जाय तो शहर में आधे से ज्यादा कूड़े का संकट समाप्त हो जायेगा।